सर्वाधिकार सुरक्षित

68

दिल्ली विश्वविद्यालय

बी०ए० ऑनर्स हिन्दी
की
परीक्षा-योजना
तथा
पाठ्यक्रम

प्रथम वर्ष — 2001
द्वितीय वर्ष — 2002
तृतीय वर्ष — 2003

AUTHENTICATED COPY
Officer on Special Duty
Affiliation Division
University of Delhi

शिक्षा-वर्ष 2000-2001 में बी० ए० ऑनर्स हिन्दी पाठ्यक्रम में
प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए
निर्धारित पाठ्यक्रम

मूल्य : 15.00 रु०

बी.ए. ऑनर्स (हिन्दी)

(वर्ष 2000 में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए)

1. बी.ए. (ऑनर्स) हिन्दी पाठ्यक्रम में कुल बारह (12) प्रश्नपत्र निर्धारित हैं जिनमें से तीन प्रथमवर्ष में, तीन द्वितीय वर्ष में तथा छह तृतीय वर्ष में होंगे। वैकल्पिक प्रश्नपत्रों के किसी भी एक वर्ग का चयन कर दोनों प्रश्नपत्र (संख्या 11 एवं 12) उसी वर्ग के लेने होंगे।

2. प्रत्येक प्रश्नपत्र 3 घंटे का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र के अंक सामने उल्लिखित हैं।

पाठ्यक्रम का विभाजन इस प्रकार है :

प्रथम वर्ष 2000		
प्रश्नपत्र 1	साहित्यालोचन	100 अंक
प्रश्नपत्र 2	भक्तिकाव्यधारा	50 अंक
प्रश्नपत्र 3	रीतिकाव्य धारा	50 अंक
द्वितीय वर्ष 2001		
प्रश्नपत्र 4	हिन्दी गद्य साहित्य (उपन्यास, कहानी एवं अन्य गद्य विधाएँ)	100 अंक
प्रश्नपत्र 5	आधुनिक काव्यधारा–1 (नवजागरण और स्वच्छंदतावाद)	50 अंक
प्रश्नपत्र 6	सामान्य भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा	50 अंक
तृतीय वर्ष 2002		
प्रश्नपत्र 7	आधुनिक काव्य धारा–2 (प्रगतिवाद और नई कविता)	50 अंक
प्रश्नपत्र 8	हिन्दी नाटक	50 अंक
प्रश्नपत्र 9	भारतीय भाषा साहित्य	50 अंक
प्रश्नपत्र 10	हिन्दी साहित्य का इतिहास	50 अंक
प्रश्नपत्र 11 एवं 12	***विकल्प (किसी एक वर्ग के दोनों प्रश्नपत्र) 100 + 100 अंक***	***=200 अंक***
वर्ग क प्रश्नपत्र 11	हिन्दी भाषा की संरचना	
प्रश्नपत्र 12	हिन्दी भाषा शिक्षण	
वर्ग ख प्रश्नपत्र 11	प्रयोजन मूलक हिन्दी–1	
प्रश्नपत्र 12	प्रयोजन मूलक हिन्दी–2	
वर्ग ग प्रश्नपत्र 11	अनुवाद सिद्धांत	
प्रश्नपत्र 12	अनुवाद व्यवहार	
वर्ग घ प्रश्नपत्र 11	रंगमंच : सिद्धांत	
प्रश्नपत्र 12	रंगमंच : इतिहास	
वर्ग ङ प्रश्नपत्र 11	हिन्दी पत्रकारिता	
प्रश्नपत्र 12	मीडिया लेखन	

प्रथम वर्ष - 2001

प्रश्नपत्र-1 साहित्यालोचन 100 अंक 3 घंटे

1. आलोचना का स्वरूप
2. साहित्य के अध्ययन की दृष्टियाँ
   क ऐतिहासिक सामाजिक दृष्टि, ख मनोवैज्ञानिक दृष्टि,
   ग. समाजशास्त्रीय दृष्टि
3. साहित्यिक विधाएं
4. पारंपरिक साहित्यशास्त्र 50अं
   क रस-लक्षण, अंग, भेद, ख शब्दशक्ति : लक्षण और प्रमुख भेद, ग अलंक
   शब्दालंकार -- अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, पुनरुक्ति
   अर्थालंकार -
   साम्यमूलक - उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, दृष्टांत, निदर्शना, प्रतिवस्तूपमा
   वैषम्यमूलक -- असंगति, विरोधाभास, विभावना, विशेषोक्ति, विषम
   अतिशयमूलक- अत्युक्ति, अतिशयोक्ति
   वकतामूलक - व्याजस्तुति, व्याजनिंदा, अप्रस्तुत प्रशंसा, समासोक्ति, अन्योक्ति
5. छंद
   क. वर्णिक - द्रुतविलम्बित, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, मन्दाक्रान्ता, शार्दूलविक्रीड़ित, सवैया-(मत्तगयंद, दुर्मिल, किरीट)
   ख. मात्रिक (सम) - चौपाई, पद्धड़िया, हरिगीतिका, वीर, रोला,
   अर्द्धसम - बरवै, दोहा, सोरठा
   विषम - छप्पय, कुंडलिया
   दण्डक - कवित्त - घनाक्षरी, रूपघनाक्षरी
6. काव्यगुण - माधुर्य, ओज, प्रसाद
7. बिम्ब, प्रतीक
   मानवीकरण
   विशेषण-विपर्यय

सहायक ग्रंथ

- काव्यशास्त्र- भगीरथ मिश्र
- रसमंजरी - कन्हैयालाल पौद्दार
- काव्यदर्पण - रामदहिन मिश्र
- काव्य-सिद्धांत - ओम्प्रकाश शास्त्री
- अलंकार मंजरी- कन्हैया लाल पौद्दार
- काव्य के रूप - गुलाबराय
- काव्याङ्गदर्पण, डॉ. विजयबहादुर अवस्थी
- भारतीय काव्यशास्त्र - सत्यदेव चौधरी
- रस-सिद्धांत - नगेन्द्र
- रस-मीमांसा- रामचन्द्र शुक्ल
- समीक्षा-सिद्धांत - रामप्रकाश
- मिथकीय अवधारणा और यथार्थ - रमेश गौतम

प्रश्नपत्र-2 भक्तिकाव्यधारा 50 अंक 3 घंटे

1. गोस्वामी तुलसीदास - कवितावली (उत्तरकाण्ड को छोड़कर)
2. सूरदास - सूर पंचरत्न - संकलयिता स्व. लाला भगवानदीन एवं पं. मोहनलाल वल्लभपंत
   पहला रत्न - विनय - पद सं. - 5, 6, 10, 12, 84
   दूसरा रत्न - बालकृष्ण - पद सं. 9, 36, 49, 69, 83
   तीसरा रत्न - रूपमाधुरी- पद सं. 1, 10, 12, 23, 25

चौथा रत्न – मुरली माधुरी– पद सं. 5, 12, 13, 28, 29
पाँचवा रत्न – भ्रमरगीत – पद सं. 6, 16, 21, 25, 31, 34, 40, 64, 76, 91

3. कबीर – कबीर ग्रंथावली – सं. पारसनाथ तिवारी (संस्करण 1961)

- सतगुरु महिमा कौ अंग – 1,5, 6, 13, 15, 19, 26
- प्रेम बिरह कौ अंग – 4, 7, 9, 13, 16, 20, 22
- सुमिरनभजन महिमा कौ अंग – 1, 6, 9, 14, 15, 16, 23
- साध महिमा कौ अंग – 2, 5, 6, 9, 10
- परचा कौ अंग – 9, 13, 17, 23, 28
- पतिव्रता कौ अंग – 5, 6, 7, 13, 15
- काल कौ अंग – 6, 12, 14, 16, 21, 28, 34
- मन कौ अंग – 8, 9, 18, 20
- माया कौ अंग – 1, 2, 11, 15, 22

4 मंझन–मधुमालती – सं. माताप्रसाद गुप्त –– व्याख्या के लिए – प्रथम सौ कड़वक

नोट : क. उपर्युक्त काव्यांशों में से व्याख्या पूछी जायेगी। 7+7+6 = 20 अंक
ख. प्रश्न कवि तथा पूरी पुस्तक पर आधारित होंगे।10+10+10= 30 अंक

सहायक ग्रंथ

- गोस्वामी तुलसीदास – रामचन्द्र शुक्ल
- तुलसी काव्य–मीमांसा – उदयभानु सिंह
- तुलसी आधुनिक वातायन से – रमेश कुंतल मेघ
- सूर और उनका साहित्य – हरवंशलाल शर्मा
- सूर की काव्य कला – मनमोहन गौतम
- सूरदास – ब्रजेश्वर वर्मा
- कृष्ण काव्य में लीला वर्णन– जगदीश भारद्वाज
- कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी
- कबीर – सं. विजयेन्द्र स्नातक
- कबीर : एक नई दृष्टि – रघुवंश
- भारतीय प्रेमाख्यान की परंपरा – परशुराम चतुर्वेदी

प्रश्नपत्र–3 **रीतिकाव्य धारा** **50 अंक 3 घंटे**

रीतिकाव्य संग्रह : संपादक : डॉ. जगदीश गुप्त

1. भूषण – 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 18, 21, 22, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 32, 34
2. पद्माकर – 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 20, 21, 22, 23, 24, 26, 28, 30, 45, 56
3. ठाकुर – 1, 2, 5, 6, 7, 8, 9, 12, 13, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 23, 24, 25, 26, 28, 30, 31, 33, 34
4. गिरिधर कविराय – गिरिधर कविराय ग्रंथावली, संपा. डॉ. किशोरीलाल गुप्त, मधुप्रकाशन, 42 ताशकंद मार्ग, इलाहाबाद –211001 संस्करण 1977
छंद–संख्या : 2, 5, 6, 11, 12, 16, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 39, 43, 44, 47, 58, 60, 63, 71, 89, 90, 103, 121, 122.

नोट : क. उपर्युक्त काव्यांशों में से व्याख्या पूछी जायेगी। 7+7+6 = 20 अंक
ख. प्रश्न कवि तथा पूरी पुस्तक पर आधारित होंगे। 10+10+10 = 30 अंक

सहायक ग्रंथ

- भूषण – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

- भूषण ग्रंथावली – सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- भूषण विमर्श – भगीरथप्रसाद दीक्षित
- कविवर पद्माकर और उनका युग – ब्रजनारायण सिंह
- पद्माकर ग्रंथावली – संपा. विश्वनाथप्रसाद मिश्र
- पद्माकर की काव्य–साधना – अखौरी गंगाप्रसाद सिंह
- ठाकुर ग्रंथावली – सं. विश्वनाथप्रसाद मिश्र
- ठाकुर–ठसक – संपा. लाला भगवानदीन
- रीतिकालीन स्वच्छंद– काव्यधारा – चन्द्रशेखर
- गिरिधर कविराय ग्रंथावली – संपा. किशोरीलाल गुप्त
- हिन्दी नीतिकाव्य– भोलानाथ तिवारी
- हिन्दी नीतिकाव्य का स्वरूप विकास – रामस्वरूप शास्त्री
- रीतिकाव्य की इतिहास दृष्टि – सुधीन्द्र कुमार
- हिन्दी साहित्य का उत्तर मध्यकाल : रीतिकाल – महेन्द्र कुमार

द्वितीय वर्ष : 2002

प्रश्नपत्र–4 हिन्दी गद्य–साहित्य 100 अंक 3 घंटे

क. उपन्यास एवं कहानी 50 अंक

1 उपन्यास – प्रेमचंद – गोदान

2 कहानी

- प्रेमचंद – ईदगाह
- जयशंकर प्रसाद – पुरस्कार
- चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' – उसने कहा था
- मोहन राकेश – मलबे का मालिक
- फणीश्वरनाथ 'रेणु' – पंचलेट
- निर्मल वर्मा – लंदन की एक रात
- मन्नू भंडारी – यही सच है
- भीष्म साहनी – अमृतसर आ गया
- हरिशंकर परसाई – भोलाराम का जीव

ख. निबन्ध तथा अन्य गद्य विधाएँ 50 अंक

3 निबन्ध

- बालकृष्ण भट्ट – कालचक्र का चक्कर
- बालमुकुंद गुप्त –बंग विच्छेद
- अध्यापक पूर्ण सिंह –मजदूरी और प्रेम
- रामचन्द्र शुक्ल – भाव या मनोविकार
- हजारीप्रसाद द्विवेदी – अशोक के फूल
- विद्यानिवास मिश्र – मेरे राम का मुकुट भीग रहा है

4 संस्मरण निराला : महादेवी वर्मा – 'पथ के साथी' में संकलित
रेखाचित्र रजिया : रामवृक्ष बेनीपुरी

5 आत्मकथा अपनी खबर : पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'

नोट : क. उपर्युक्त गद्य साहित्य से व्याख्या पूछी जाएगी।
ख. प्रश्न रचनाकार एवं निर्धारित पुस्तक पर आधारित होंगे।

सहायक ग्रंथ

- प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा
- प्रेमचंद : एक विवेचन – इन्द्रनाथ मदान

- हिन्दी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र
- हिन्दी कहानी : संदर्भ और प्रकृति – देवीशंकर अवस्थी
- नई कहानी की भूमिका – कमलेश्वर
- कथा विवेचना और गद्य शिल्प – रामविलास शर्मा
- हिन्दी निबंध के आधार-स्तंभ – हरिमोहन
- प्रेमचंद : अध्ययन की नयी दिशाएं – कमलकिशोर गोयनका
- प्रेमचंद के उपन्यासों का शिल्प विधान – कमलकिशोर गोयनका
- हिंदी रेखाचित्र : सिद्धांत और विकास – मक्खनलाल शर्मा
- हिंदी का गद्य-साहित्य – रामचन्द्र तिवारी
- हिंदी आत्मकथाएं : सिद्धांत और स्वरूप-विश्लेषण – विनीता अग्रवाल
- आधुनिक हिंदी गद्य-साहित्य – हरदयाल

प्रश्नपत्र-5 आधुनिक हिन्दी कविता-I 50 अंक 3 घंटे

(नवजागरण और स्वच्छंदतावाद)

छायावाद और राष्ट्रीय काव्यधारा

1. मैथिलीशरण गुप्त – यशोधरा
2. जयशंकर प्रसाद – 'लहर' संग्रह से।
   - क. उठ उठ री लघु-लघु लोल लहर
   - ख. बीती विभावरी जाग री
   - ग. ओ री मानस की गहराई
   - घ. तुम्हारी आँखों का बचपन
   - ङ. मधुप गुनगुना कर कह जाता
   - च. ले चल वहाँ भुलावा देकर
   - छ. अशोक की चिंता
   - ज. प्रलय की छाया
3. सुमित्रानंदन पंत – 'रश्मि बंध' संग्रह से।
   - क. प्रथम रश्मि
   - ख. मौन निमंत्रण
   - ग. परिवर्तन
   - घ. ताज
   - ङ अणु विस्फोट
4. रामधारी सिंह दिनकर – परशुराम की प्रतीक्षा

SY-170

नोट : क. उपर्युक्त काव्य-रचनाओं तथा कविताओं में से व्याख्या पूछी जायेगी। 7+7+6 = 20 अंक

ख. प्रश्न कवि तथा पूरी पुस्तक पर आधारित होंगे। 10+10+10=30 अंक

सहायक ग्रंथ

- मैथिलीशरण गुप्त : कवि और भारतीय संस्कृति के आख्याता – उमाकांत गोयल
- मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्ति और काव्य – कमलाकांत पाठक
- जयशंकर प्रसाद – नंददुलारे वाजपेयी
- जयशंकर प्रसाद : सृष्टि और दृष्टि – कल्याणमल लोढ़ा
- प्रसाद साहित्य की अंतश्चेतना – सूर्यप्रकाश दीक्षित
- पंत, प्रसाद और मैथिलीशरण गुप्त – रामधारीसिंह दिनकर
- सुमित्रानंदन पंत – नगेन्द्र
- प्रसाद के काव्य का शास्त्रीय अध्ययन – सुरेन्द्रनाथ सिंह
- युगचारण दिनकर – सावित्री सिन्हा
- छायावाद के आधार स्तंभ – गंगाप्रसाद पाण्डेय
- छायावादी कवियों का सौंदर्य-विधान – सूर्यप्रसाद दीक्षित
- छायावाद की प्रासंगिकता – रमेशचन्द्र शाह

प्रश्नपत्र – 6 सामान्य भाषाविज्ञान और हिन्दी भाषा 50 अंक 3 घंटे

1 भाषा की परिभाषा और उसकी प्रकृति।

2 भाषाविज्ञान की परिभाषा – स्वरूप एवं अध्ययन-क्षेत्र

3 ध्वनि विज्ञान – ध्वनि का उच्चारण, ध्वनि का प्रसरण, ध्वनि का श्रवण, स्वरों और व्यंजनों के वर्गीकरण के आधार; अक्षर।

4 स्वनिम विज्ञान – हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था :
(क) खंड्य स्वनिम – स्वर, व्यंजन,
(ख) खंडेतर स्वनिम – अनुनासिकता, मात्रा, बलाघात, अनुतान, संहिता

5 रूपविज्ञान–सामान्य परिचय

- शब्द तथा पद में अंतर
- रूप, रूपिम, संरूप
- रूपिम के प्रकार : मुक्त और बद्ध।

6 वाक्य विज्ञान :
वाक्य विज्ञान के अध्ययन का क्षेत्र, वाक्य, उपवाक्य, पदबंध

- वाक्य की परिभाषा
- वाक्य के प्रकार – रचना की दृष्टि से – साधारण, मिश्र, संयुक्त
- अर्थ की दृष्टि से वाक्य के प्रकार – निश्चयार्थक, आज्ञार्थक, विस्मयादि बोधक
- वाक्य रचना – पदक्रम, अन्विति
- उपवाक्य
- पदबंध

7 अर्थविज्ञान – भाषा का आर्थी स्वरूप, प्रतीक और अवधारणा का सहसंबंध।
8 हिन्दी भाषा का विकासात्मक अध्ययन।
9 हिन्दी का क्षेत्र-विस्तार – हिन्दी क्षेत्र, अन्य भाषा क्षेत्र।
10 हिन्दी की उपभाषाएँ, बोलियों का सामान्य परिचय ।

सहायक ग्रंथ

- भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्रनाथ शर्मा
- भाषाविज्ञान – भोलानाथ तिवारी
- भाषाशास्त्र की रूपरेखा – उदयनारायण तिवारी
- हिन्दी भाषा का इतिहास – धीरेन्द्र वर्मा
- हिन्दी भाषा : स्वरूप और विकास – कैलाशचन्द्र भाटिया
- हिन्दी शब्दानुशासन – किशोरीदास वाजपेयी
- हिन्दी : उद्भव, विकास और स्वरूप – हरदेव बाहरी
- हिन्दी व्याकरण – कामताप्रसाद गुरु

तृतीय वर्ष – 2003

प्रश्नपत्र–7 R

आधुनिक हिन्दी कविता –2 50 अंक 3 घंटे
(प्रगतिवाद और नयी कविता)

1. भवानी प्रसाद मिश्र : (गीत फरोश संग्रह से)
गीत फरोश, नये गीत, सत्यकाम।
2. नागार्जुन : चुनी हुई रचनाएँ (खंड–2)
क. बादल को घिरते देखा है ख. बहुत दिनों के बाद
ग. उनको प्रणाम घ. अकाल और उसके बाद
ङ वह दंतुरित मुस्कान च. सिंदूर तिलकित भाल, छ. कालिदास
3. केदारनाथ अग्रवाल ('फूल नही रंग बोलते हैं' संग्रह से)
क. कानपुर, ख. गाँव का महाजन, ग. उदास दिन, घ. लेखक की स्वतंत्रता,
ङ तुम आ गई, च. देर हो गई छ. कंचन किरणें, ज. भिक्षुक दुःख
4. रघुवीर सहाय ('हँसो–हँसो जल्दी हँसो' संग्रह से)
क. सड़क पर रपट, ख. दो अर्थ का भय, ग. चेहरा,
घ. हँसो–हँसों जल्दी हँसो, ङ पैदल आदमी च. रामदास
छ. नेता क्षमा करें , ज. मुझे कुछ और करना था

5 क. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना -- कुआनो नदी (लम्बी कविता) (कुआनो नदी संकलन से)
ख. धूमिल -- पटकथा ('संसद से सड़क तक' संकलन से)

नोट : क उपर्युक्त कविताओं में से व्याख्या पूछी जायेगी 7+7+6 = 20 अंक
ख. प्रश्न कवि व पूरी पुस्तक पर आधारित होंगे 10+10+10 = 30 अंक

सहायक ग्रंथ

- नागार्जुन जीवन और साहित्य - प्रकाशचन्द्र भट्ट
- नागार्जुन और उनका रचना संसार - विजयबहादुर सिंह
- प्रगतिवाद - शिवकुमार मिश्र
- प्रगतिशील काव्यधारा और केदारनाथ अग्रवाल - संपा. रामविलास शर्मा
- तारसप्तक के कवियों की समाज चेतना - राजेन्द्र प्रसाद
- रघुवीर सहाय का कविकर्म - सुरेश शर्मा
- सर्वेश्वर और उनका काव्य - कृष्णदत्त पालीवाल
- उत्तरछायावादी काव्यभाषा - हरिमोहन शर्मा
- समसामयिकता और आधुनिक हिंदी कविता - रघुवंश
- धूमिल और उनका काव्यसंघर्ष - ब्रह्मदेव मित्र
- समकालीन हिंदी कविता - विश्वनाथप्रसाद तिवारी
- आज की कविता - सुधीश पचौरी
- समकालीन बोध और धूमिल का काव्य - हुकुमचंद राजपाल

हिन्दी नाटक R

50 अंक 3 घंटे

प्रश्नपत्र-8

1. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र -भारत दुर्दशा
2. जयशंकर प्रसाद - ध्रुवस्वामिनी
3. भीष्म साहनी - कबिरा खड़ा बजार में
4. एकांकी संकलन :

रामकुमार वर्मा	-	दीपदान
उपेन्द्रनाथ अश्क	-	सूखी डाली
विष्णु प्रभाकर	-	स्वराज्य की नींव
भुवनेश्वर प्रसाद	-	स्ट्राइक
धर्मवीर भारती	-	नीली झील
भारतभूषण अग्रवाल	-	महाभारत की एक सांझ

नोट : क. उपर्युक्त नाटक तथा एकांकी संकलन में से व्याख्या पूछी जाएगी। 7+7+6 = 20अंक
ख. प्रश्न रचनाकार तथा रचना पर आधारित होंगे - 10+10+10 = 30 अंक

सहायक ग्रंथ

- भारतेंदु का नाट्य साहित्य - वीरेन्द्र कुमार शुक्ल
- भारतेंदु युगीन नाटक : संदर्भ सापेक्षता - रमेश गौतम
- भारतेंदु युगीन नाट्य साहित्य - भानुदेव शुक्ल
- भारतेंदु युगीन नाटक - सुशीला धीर
- प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन - जगन्नाथ शर्मा
- प्रसाद के नाटक : स्वरूप और संरचना - गोविन्द चातक
- हिंदी एकांकी : उद्भव और विकास - रामचरण महेन्द्र
- हिंदी एकांकी की शिल्पविधि का विकास - सिद्धनाथ कुमार
- नाटककार भारतेन्द्र की रंग-परिकल्पना, सत्येन्द्र तनेजा R

भारतीय भाषा साहित्य

50 अंक 3 घंटे

प्रश्नपत्र-9

1. समेकित भारतीय साहित्य की प्रवृत्तियाँ : डॉ. नगेन्द्र — 20 अंक
2. भारतीय भाषाओं की कहानियाँ — 30 अंक

1	असमिया	महिम बरा	तीन में से घटा 'तीन(भा. शिखर कथा कोश)
2	उड़िया	सुरेन्द्र महन्ती	पिता और पुत्र (भार. साहित्य रत्नमाला)
3	उर्दू	कुर्तुलएन हैदर	कलन्दर

4	कश्मीरी	अख्तर मुहिउद्दीन दांता किल किल (भार साहि. रत्नमाला)
5	तमिल	विभाग द्वारा निर्धारित की जाएगी
6	तेलुगु	पालगुम्मि पद्मराजु नौका यात्रा (भा.शिखर कोश)
7	मलयालम	तकषि शिवशंकर पिल्लै, तेवन की निधि (भा. शि. कथाकोश)
8	कन्नड़	श्रीमती त्रिवेली बेड नं. 7 (कन्नड़ प्रतिनिधि कहानियाँ)
9	पंजाबी	कुलवंत सिंह विर्क धरती ऐठला बौल्द
10	गुजराती द्विरेफ	खेमी (श्रेष्ठ गुजराती कहानियाँ)
11	मराठी	चि. त्रयं खानोलकर स्याह सफेद (भार. शिखर कथा कोश)
12	बांग्ला	महाश्वेता देवी जननी

नोट : इस प्रश्नपत्र में से व्याख्या नहीं पूछी जाएगी। केवल प्रश्न पूछे जायेंगे।

सहायक ग्रंथ

- समेकित भारतीय साहित्य की प्रवृत्तियाँ – नगेन्द्र

प्रश्नपत्र 10 हिन्दी साहित्य का इतिहास R 50 अंक 3 घंटे

1. हिंदी साहित्य के अभ्युदय की पूर्वपीठिका – सांस्कृतिक, सामाजिक एवं राजनीतिक परिस्थितियाँ
2. हिंदी साहित्य के इतिहास में काल-निर्धारण का प्रश्न – आधार और दृष्टियां, विभिन्न काल-खंडों का नाम-निर्धारण।
3. आदिकाल की प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाएँ और उनकी भाषा-शैली।
4. भक्तिकालीन साहित्य की सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक परिस्थितियाँ।
5. भक्तिकालीन साहित्य की प्रमुख धाराएँ, प्रमुख रचनाकार और उनका मूल्यांकन।
6. रीतिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि – सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, साहित्यिक।
7. रीतिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रत्येक प्रवृत्ति के प्रमुख रचनाकार और उनका योगदान।
8. आधुनिक काल का प्रारंभ – राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक परिस्थितियाँ।
9. आधुनिक हिंदी कविता की प्रवृत्तियाँ और उनका विकास।
10. हिंदी-गद्य की विविध विधाओं का विकास।

सहायक ग्रंथ

- हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल
- हिंदी साहित्य – हजारीप्रसाद द्विवेदी
- हिंदी साहित्य का अतीत (दोनों भाग) – विश्वनाथप्रसाद मिश्र
- हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – रामकुमार वर्मा
- हिंदी साहित्य का इतिहास – सं. नगेन्द्र, सुरेशचन्द्र गुप्त
- आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास – कृष्णशंकर शुक्ल
- हिंदी वाङ्मय बीसवीं शताब्दी – सं. नगेन्द्र
- हिन्दी साहित्य का उत्तरमध्यकाल : रीतिकाल – महेन्द्र कुमार
- रीतिकाव्य की भूमिका – नगेन्द्र
- हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी

विकल्प

वर्ग क प्रश्नपत्र 11 हिन्दी भाषा की संरचना अंक 100 3 घंटे

1 हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था :

क. खंडीय स्वनिम :

- स्वर – मूल और संयुक्त, स्वरों का उच्चारण, उच्चारण के आधार पर वर्गीकरण
- व्यंजन – व्यंजनों का वर्गीकरण
- स्वनिम और संस्वन
- अल्पतम युग्म और व्यतिरेक (minimal pair contrast)

ख. खंडेतर स्वनिम : व्यंजन विस्तार (दीर्घता), संहिता (function). अनुनासिकता, बलाघात, सुरलहर

ग. अक्षर

घ. हिन्दी में संधि

2. हिन्दी की रूपिम व्यवस्था :

क. रूपिम – संरूप, रूपिम के भेद – मुक्त रूपिम, बद्ध रूपिम

ख. शब्द और रूपिम, शब्द और पद

ग. मूलांश, प्रातिपदिक, प्रत्यय

घ. प्रत्यय के भेद – पूर्वप्रत्यय, परप्रत्यय, प्रकार्य की दृष्टि से प्रत्यय के भेद, व्युत्पादक प्रत्यय, रूपसाधक प्रत्यय

(टिप्पणी – मूलांश, प्रतिपादिक और प्रत्यय का सामान्य परिचय ही दिया जाना चाहिए।)

3. शब्द भेद –

क. संज्ञा, विशेषण, क्रिया, क्रिया–विशेषण – प्रमुख शब्द वर्ग

ख. शब्दों का दूसरा वर्ग –(दो शब्दों अथवा वाक्यों को जोड़ने वाले) परसर्ग, संयोजक

ग. समस्त शब्दों के आठ वर्ग – संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया–विशेषण, संयोजक, परसर्ग तथा विस्मयादिबोधक शब्द

घ. रूपविकार के आधार पर शब्दों के दो वर्ग – विकारी (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया) अविकारी (अव्यय)

ङ व्याकरणिक कोटियाँ – लिंग, वचन, विभक्ति, पुरुष, काल, वाच्य, वृत्ति

4. हिन्दी का वाक्य विधान

क. वाक्य, उपवाक्य, पदबंध

ख. वाक्य के प्रकार – रचना की दृष्टि से – साधारण, मिश्र, संयुक्त
अर्थ की दृष्टि से – निश्चयार्थक वाक्य, आज्ञार्थक वाक्य, विस्मयादिबोधक वाक्य आदि।

ग. वाक्य रचना – पदक्रम, परसर्ग (द्वारा वाक्य के शब्दों का संबंध), अन्विति

घ. उपवाक्य – प्रधान और आश्रित

आश्रित उपवाक्य – प्रकार्य की दृष्टि से तीन भेद – 1. संज्ञा उपवाक्य (जो संज्ञा की तरह प्रयुक्त होते हैं)

2. विशेषण उपवाक्य

3. क्रियाविशेषण उपवाक्य

5 हिन्दी का आर्थी विधान

क. प्रतीक और अवधारणा का सहसंबंध

ख. वाक्य की आर्थी संरचना – वाक्य में व्यवहृत शब्दों का अर्थ --
संरचनात्मक अर्थ, व्याकरणिक अर्थ

ग. संकेतार्थ, घ. व्यंग्यार्थ , ङ सामाजिक संदर्भों से जुड़े अर्थ ।

सहायक ग्रंथ

- हिन्दी भाषा का इतिहास – धीरेन्द्र वर्मा
- हिन्दी भाषा स्वरूप और विकास – कैलाशचन्द्र भाटिया
- हिन्दी शब्दानुशासन – किशोरीदास वाजपेयी
- मानक हिन्दी का स्वरूप – भोलानाथ तिवारी
- हिन्दी व्याकरण – कामताप्रसाद गुरु
- हिन्दी भाषा का संक्षिप्त इतिहास – भोलानाथ तिवारी

Maitreyi College
Delhi
Acc. No. 549 70

प्रश्नपत्र 12 हिन्दी भाषा शिक्षण अंक 100 समय : 3 घंटे

1. शिक्षा की कुछ मूलभूत अवधारणाएं – शिक्षण, प्रशिक्षण, अधिगम एवं जिज्ञासा

- मानक भाषा की संकल्पना और हिन्दी भाषा
- भाषा शिक्षण : उद्देश्य और सिद्धि -- मातृभाषा के रूप में
  -- अन्य भाषा के रूप में
- भाषा–शिक्षण की विविध पद्धतियाँ
  क. मातृभाषा के रूप में हिन्दी शिक्षण (शैली का अध्ययन–विश्लेषण) ख. अन्य भाषा के रूप में हिन्दी शिक्षण
- व्यतिरेकी विश्लेषण और भाषा–शिक्षण में उसकी उपयोगिता
- अभिरचना अभ्यास
- भाषा मूल्यांकन – हिन्दी शिक्षण में मूल्यांकन एवं उपलब्धि परीक्षण की विभिन्न विधियाँ
- लेखन शिक्षण (लिपि शिक्षण, शैली शिक्षण)
- अशुद्धि की संकल्पना और अशुद्धि–शोधन
- हिन्दी शिक्षण सामग्री का मूल्यांकन

- भाषा-शिक्षण में प्रयोगशाला का महत्व

2. आधारभूत कौशलों अर्थात् सुनना, बोलना, पढ़ना व लिखना के विभिन्न वय स्तरों पर विकास हेतु योजना व संगठन
   - हिंदी शिक्षण में निदानात्मक एवं उपचारात्मक गतिविधियाँ
   - बच्चे के भाषिक विकास के विभिन्न स्तर ।

सहायक ग्रंथ

- हिन्दी संरचना का शैक्षिक स्वरूप - राजकमल पाण्डे
- हिन्दी शिक्षण और भाषा विश्लेषण - विजयराघव रेड्डी
- हिन्दी साहित्य का अध्यापन (द्वितीय भाषा के रूप में) - नागप्पा
- भाषा-शिक्षण - रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
- हिंदी शिक्षण : अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य - सतीश कुमार

वर्ग ख

प्रश्नपत्र 11 प्रयोजनमूलक हिन्दी -1 अंक 100 समय : 3 घंटे

1 हिन्दी का मानकीकरण और आधुनिकीकरण
   क. देवनागरी लिपि का मानकीकरण, ख. वर्तनी का मानकीकरण

2 हिन्दी के विविध रूप
   क. सामान्य हिन्दी; साहित्यिक हिन्दी एवं प्रयोजनमूलक हिन्दी

3 राष्ट्रभाषा हिन्दी : अवधारणा, स्वरूप एवं विकास

4 राजभाषा हिन्दी
   क. राजभाषा की संकल्पना, ख. भारतीय संविधान में किए गए राजभाषा संबंधी प्रावधान
   ग. राजभाषा अधिनियम, घ. राजभाषा के विकास में शासन-तंत्र की भूमिका

5 प्रयोजनमूलक हिन्दी : परिभाषा, स्वरूप एवं क्षेत्र

6 प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं अनुवाद का अंतःसंबंध
   क. अनुवाद का अर्थ एवं स्वरूप, ख. कार्यालयी हिन्दी और अनुवाद,
   ग. जनसंचार माध्यम और अनुवाद, घ. ज्ञान साहित्य और अनुवाद,
   ङ. वित्त एवं वाणिज्यिक साहित्य और अनुवाद, च. वैज्ञानिक, तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी साहित्य तथा अनुवाद

7 प्रयोजनमूलक हिन्दी और पारिभाषिक शब्दावली
   क. पारिभाषिक शब्दावली से अभिप्राय, ख. निर्माण के सिद्धांत, ग. निर्माण के रूप

8 प्रयुक्ति
   क. प्रयुक्ति की संकल्पना, ख. प्रयुक्ति के प्रकार,
   ग. प्रयोजनमूलक हिन्दी और प्रयुक्ति का अंतःसंबंध घ. प्रयुक्ति और शैली -- संरचनात्मक शैली, सामाजिक शैली, व्यावसायिक शैली

9 प्रयोजनमूलक हिन्दी का सामाजिक आधार

सहायक ग्रंथ

- प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी - कैलाशचन्द्र भाटिया
- प्रयोजनमूलक हिंदी : संरचना एवं अनुप्रयोग - रामप्रकाश तथा दिनेश गुप्त
- आजीविका साधक हिन्दी - पूरनचन्द टण्डन
- प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धांत और प्रयोग - दंगल झाल्टे
- प्रयोजन मूलक हिन्दी - विनोद गोदरे

प्रश्नपत्र 12 प्रयोजनमूलक हिन्दी -2 **अंक 100 समय : 3 घंटे**

1. प्रयोजन मूलक हिन्दी के मुख्य आयाम

- प्रशासनिक हिन्दी
- ज्ञान साहित्य की हिन्दी
- संचार माध्यमों की हिन्दी
- वाणिज्य की हिन्दी
- वैज्ञानिक, तकनीकी एवं प्रौद्योगिकी की हिन्दी

2. प्रशासनिक हिन्दी

- प्रशासनिक शब्दावली (निर्धारित 100 शब्द) (विभाग द्वारा निर्धारित किये जायेंगे)
- प्रारूप लेखन
- प्रशासनिक पत्राचार - स्वरूप, प्रकार
- टिप्पण लेखन
- प्रतिवेदन लेखन
- संक्षेपण/सार लेखन

व्यावहारिक हिन्दी

- कार्यालय से निर्गम पत्र
- ज्ञापन, परिपत्र, आदेश, पृष्ठांकन, सूचनाएँ, निविदा
- रिक्त पदों की पूर्ति हेतु विज्ञप्ति
- शिकायत निवारण
- पदनाम तथा अनुभाग

3. वाणिज्य की हिन्दी

वित्तीय एवं वाणिज्यिक हिन्दी : प्रकृति तथा विशेषताएँ

- बैंकों से लेन-देन संबंधी पत्राचार
- बीमा संबंधी पत्राचार
- बैंक तथा बीमा क्षेत्रों की टिप्पणियाँ
- बैंक तथा बीमा क्षेत्रों की हिन्दी शब्दावली (निर्धारित 100 शब्द) (विभाग द्वारा निर्धारित किये जायेंगे)

4. वैज्ञानिक, तकनीकी एवं प्रौद्योगिकी की हिन्दी

- वैज्ञानिक तकनीकी एवं प्रौद्योगिकी की हिन्दी शब्दावली (निर्धारित 100 शब्द) (विभाग द्वारा निर्धारित किये जायेंगे)
- इन क्षेत्रों की हिन्दी के विविध रूप
- विधि, संसद, रक्षा आदि क्षेत्रों की हिन्दी
- वैज्ञानिक, तकनीकी एवं प्रौद्योगिकी की हिन्दी प्रयुक्तियाँ
- हिन्दी में वैज्ञानिक, तकनीकी एवं प्रौद्योगिक लेखन

5. संचार माध्यमों की हिन्दी

1. जनसंचार से अभिप्राय
   क.जनसंचार के माध्यमों के प्रकार -- प्रिंट मीडिया, इलैक्ट्रोनिक मीडिया, ख. जनसंचार माध्यमों की भाषिक-प्रकृति, ग. समाचार लेखन और हिन्दी, घ. संपादकीय और हिन्दी ङ जनसंचार की हिन्दी शब्दावली
2. विज्ञापन की हिन्दी
   क. विज्ञापन की प्रकृति, उद्देश्य एवं विकास, ख. विज्ञापनों के प्रकार, ग. विज्ञापनों का सामाजिक एवं आर्थिक पक्ष, घ. विज्ञापन की अभिकल्पना, अभिरुचि एवं प्रभविष्णुता के सिद्धांत, ङ दृश्य-श्रव्य माध्यमों में विज्ञापन का रूप, च. विज्ञापन-लेखन की कला, छ. विज्ञापन की सामाजिक-राजनीतिक आचार-संहिता

6. हिन्दी कम्प्यूटिंग

- कम्प्यूटिंग के विकास का सामान्य परिचय
- कंप्यूटर के कुंजीपटल, प्रिन्टर, सी.डी.रोम. स्कैनर के प्रकार्य, उपयोगिता एवं भविष्य की संभावनाओं का सामान्य ज्ञान
- कंप्यूटर की कार्य प्रणाली, साफ्टवेयर प्रणाली, विशेषकर हिन्दी वर्ड प्रोसेसरों का ज्ञान
- कंप्यूटिंग का भाषा व लिपि से संबंध। कंप्यूटिंग की दृष्टि से रोमन लिपि व देवनागरी लिपि का तुलनात्मक अध्ययन।
- नए कंप्यूटर आधारित जनसंचार माध्यम - इंटरनेट, सी.डी.रोम का परिचय व संभावनाएं। इंटरनेट पर हिन्दी - सरकारी, सहकारी व अन्य प्रयास

- कंप्यूटिंग व अंग्रेजी इतर भाषाएँ तथा उनमें हिन्दी की स्थिति, हिन्दी की कंप्यूटिंग की संरचनात्मक समस्याएँ, हिन्दी कम्प्यूटिंग की अन्य समस्याएँ – साफ्टवेयर का अभाव।

सहायक ग्रंथ

- प्रशासनिक हिंन्दी – ऐतिहासिक संदर्भ – महेशचन्द्र गुप्त
- प्रशासनिक कामकाजी शब्दावली – हरिमोहन
- प्रशासन में राजभाषा हिन्दी – कैलाशचन्द्र भाटिया
- प्रशासनिक हिन्दी : टिप्पणी, प्रारूपण – हरिमोहन
- आजीविका साधक हिन्दी – पूरनचन्द टण्डन
- व्यावहारिक हिन्दी और रचना – कृष्णकुमार गोस्वामी
- कामकाजी हिन्दी – कैलाशचन्द्र भाटिया
- भाषायी अस्मिता और हिन्दी – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
- आधुनिक जनसंचार और हिंदी – हरिमोहन
- कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजयकुमार मल्होत्रा
- कम्प्यूटर और हिन्दी – हरिमोहन
- राजभाषा के विकास में अनुवाद की भूमिका – गार्गी गुप्त एवं पूरनचन्द टण्डन

वर्ग– ग प्रश्नपत्र–11 अनुवाद–सिद्धान्त 100 अंक 3 घंटे

1 अनुवाद की अवधारणा

क. अनुवाद एवं Translation शब्दों से अभिप्राय ।

ख. अनुवाद का स्वरूप –कला, विज्ञान तथा शिल्प।

ग. अनुवाद की प्रासंगिकता।

2. बहुभाषी समाज, राष्ट्र एवम् अनुवाद।

3. अनुवाद का भाषा शास्त्र

क. शब्द और अर्थ का अंतःसंबंध, ख. भाषा के विविध रूप, ग. भाषा की विविध शैलियाँ, घ. भाषा का आधुनिकीकरण, ङ भाषा प्रयोग और प्रयुक्ति, च. भाषा का व्यतिरेकी विश्लेषण और अनुवाद, छ. स्रोतभाषा और लक्ष्यभाषा की अवधारणा, द्विभाषिकता, बहुभाषिकता और अनुवाद, झ. भाषिक क्षमता एवं भाषिक दक्षता।

4 राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति और अनुवाद

5 अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार

6 अनुवाद के प्रकार

7 अनुवाद : प्रविधि एवं प्रक्रिया –– विश्लेषण, अंतरण, पुनर्गठन।

8 अनुवाद तथा समतुल्यता का सिद्धांत

9 अनुवाद की सीमाएं

10 अनुवाद पुनरीक्षण, सम्पादन एवं मूल्यांकन।

11 अनुवाद का व्यावसायिक परिदृश्य –– कार्य, रोजगार एवं नियुक्तियाँ।

12 अनुवाद के उपकरण – कोश, पारिभाषिक शब्दावली, थिसॉरस, कम्प्यूटर आदि।

13 तत्काल भाषांतरण।

14 पारिभाषिक शब्दावली : अभिप्राय एवं स्वरूप, निर्माण के संप्रदाय, निर्माण के सिद्धांत।

15 अनुवादक के गुण।

सहायक ग्रंथ

- काव्यानुवाद की समस्याएँ – भोलानाथ तिवारी, महेन्द्र चतुर्वेदी
- सृजनात्मक साहित्य का अनुवाद – सुरेश सिंहल
- अनुवाद विज्ञान – नगेन्द्र
- अनुवाद साधना – पूरनचन्द टण्डन
- अनुवाद के विविध आयाम – पूरनचन्द टण्डन

वर्ग – ग प्रश्नपत्र–12 अनुवाद व्यवहार 100 अंक 3 घंटे

1 सामाजिक ज्ञान की सामग्री का अनुवाद अभ्यास (अनुच्छेदों के अनुवाद का अभ्यास)।

2 कार्यालयी साहित्य के अनुवाद का अभ्यास --
- कार्यालयी शब्दावली, प्रयुक्तियाँ, पदनाम, विभाग आदि,
- -पत्रों के अनुवाद
- -टिप्पणियों के अनुवाद
- - पदनामों के अनुवाद
- - अनुभागों के अनुवाद
- - बैंक साहित्य के अनुवाद का अभ्यास,
- - विधि साहित्य के अनुवाद का अभ्यास,

3 जनसंचार माध्यमों की सामग्री के अनुवाद का अभ्यास
- - प्रिंट मीडिया की सामग्री का अनुवाद,
- - इलैक्ट्रॉनिक मीडिया की सामग्री का अनुवाद।

4 सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों के अनुवाद
- - मुहावरें व लोकोक्तियों के अनुवाद
- - रिश्ते-नातों की शब्दावली के अनुवाद
- - सांस्कृतिक शब्दावली और अनुवाद

5 अनुवाद में अर्थ का अनर्थ

6 अंग्रेजी-हिंदी अभिव्यक्तियाँ

वर्ग घ प्रश्नपत्र 11 रंगमंच : सिद्धांत 100 अंक 3 घंटे

Acc. No. 54-170

1 भारतीय एवं पाश्चात्य नाट्य सिद्धांतों का परिचय
(नाट्य के संदर्भ में रस-सिद्धांत एवं विवेचन का विशिष्ट अध्ययन)

2 नाट्य : भेद
रूपक-उपरूपकों के भेद
क. रूपक - नाटक, प्रकरण, भाण, प्रहसन, डिम, व्यायोग, समवकार, वीथी, अंक, ईहामृग।
ख. उपरूपक - नाटिका, प्रकरणिका (प्रकरणी), त्रोटक (तोटक), सट्टक, गोष्ठी, संलापक, शिल्पक, श्रीगदित, भाणिका (भाणी), प्रस्थानक (प्रस्थान), काव्य, प्रेक्षणक, नाट्करसिक, रासक, उल्लोप्यक (उल्लाप्यक), हल्लीसक (हल्लीस, हल्लीश), दुर्मल्लिका, विलासिका। (सामान्य परिचय)

3 पश्चिमी नाट्य : भेद
त्रासदी, कामदी, मैलाड्रामा, फार्स (सामान्य परिचय एवं विशेषताएं)

4 नाट्य-अध्ययन का स्वरूप
(क) नाटक का विधागत वैशिष्ट्य, (ख) काव्य और नाटक, , (ग) नाटक और रंगमंच का अंतःसंबंध
(घ) दृश्य और श्रव्य तत्वों का समायोजन,

5 नाट्यविधान : भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि से नाट्य तत्वों का विस्तृत विवेचन

6 नाट्य संप्रेषण के विविध घटक : निर्देशक, अभिनेता, पार्श्वकर्मी एवं दर्शक की भूमिका

7 नाट्यानुभूति और रंगानुभूति

सहायक ग्रंथ

- रंगमंच - बलवंत गार्गी
- रंगमंच : कला और दृष्टि - गोविन्द चातक
- रंगदर्शन - नेमिचन्द्र जैन
- रंगमंच : देखना और जानना -- लक्ष्मीनारायण लाल
- रंग चिंतन - प्रताप सहगंल
- हिन्दी रंगमंच का इतिहास - चन्दूलाल दूबे
- रंगमंच - सर्वदानंद
- रंगकर्म - वीरेन्द्र नारायण
- नाट्य कला - डॉ. रघुवंश

- भरत और भारतीय नाट्य कला – सुरेन्द्रनाथ दीक्षित

वर्ग घ : प्रश्नपत्र 12 रंगमंच : इतिहास 100 अंक 3 घंटे

1 नाटक और रंगमंच का उद्भव

2 नाट्योत्पत्ति : विभिन्न सिद्धांत (भारतीय और पाश्चात्य)

3 हिन्दी नाटक की विकास-यात्रा
(पूर्व भारतेन्दु युगीन, भारतेंदु युगीन, प्रसाद युगीन, प्रसादोत्तर युगीन और स्वतंत्रता-प्राप्ति के पश्चात् का हिन्दी नाटक)

4 हिन्दी रंगमंच का इतिहास : व्यावसायिक और अव्यावसयिक रंगमंच का परिचयात्मक अध्ययन

5 प्राचीन रंगशालाओं के स्वरूप का अध्ययन :
क भरत द्वारा प्रतिपादित नाट्यमंडप, ख यूनानी रंगमंच का स्थापत्य

सहायक ग्रंथ

- हिन्दी नाट्य साहित्य और रंगमंच की मीमांसा – कुंवरचन्द्र प्रकाश सिंह
- हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास – दशरथ ओझा
- हमारी नाट्य परंपरा – श्रीकृष्ण दास
- भारतीय नाट्य साहित्य – संपा. नगेन्द्र
- आज का नाटक – दशरथ ओझा
- भारतेंदु कालीन नाट्य साहित्य – गोपीनाथ तिवारी
- भारतीय नाट्य परंपरा – नेमिचन्द्र जैन
- भारतीय रंगमंच – आद्य रंगाचार्य
- भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच – सीताराम चतुर्वेदी
- भारतीय रंगमंच का इतिहास – अज्ञात
- आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच – संपा. नेमिचन्द्र जैन

वर्ग ङ प्रश्नपत्र-11 हिन्दी पत्रकारिता 100 अंक 3घंटे

भाग-1 प्रिंट मीडिया की पत्रकारिता

1. पत्रकारिता : परिभाषा, उद्देश्य, सामाजिक दायित्व। भारत में समाचारपत्रों की स्थिति – व्यावसायिक, सामाजिक, आर्थिक। समाचार पत्रों की समस्याएँ।
2. समाचार रिपोर्टिंग : सिद्धांत, तकनीक और प्रकार।
3. संवाददाता : अर्हताएँ, उत्तरदायित्व, कार्य।
4. सम्पादकीय विभाग का ढाँचा। सम्पादक के कार्य और उत्तरदायित्व। सम्पादन के सिद्धांत।
5. फीचर लेखन : विशेषताएँ, विषय वस्तु का चयन और फीचर आयोजन।
6. पृष्ठसज्जा : प्रक्रिया – मेकअप, ले आउट, डिजाइन, साज सज्जा के मूलभूत सिद्धांत, मुख पृष्ठ, सम्पादकीय पृष्ठ, वाणिज्य पृष्ठ, खेल पृष्ठ, अंतिम पृष्ठ, रविवारीय पृष्ठ आदि।
7. मुद्रण : मुद्रण टेक्नॉलाजी में तकनीकी क्रांति : समाचार-पत्र उपग्रह के माध्यम से , अक्षर मुद्रण, रोटरी, आफसेट, फोटो आफसेट, कंम्प्यूटर से कम्पोजिंग, फोटो कंपोजिंग, लेजर टाईप सेटिंग, ब्लाक, विभिन्न प्रकार के टाईप, समाचार पत्र के कागज़ तथा कागज के आका
8. प्रेस कानून एवं आचार संहिता।
9. प्रूफ संशोधन : सिद्धांत एवं व्यवहार।
10. पत्रकारिता के क्षेत्र में जीविकोपार्जन के विकल्प ।

भाग-2 हिन्दी पत्रकारिता : इलैक्ट्रानिक माध्यम

रेडियो और टेलीविजन की पत्रकारिता

इलैक्ट्रानिक (दृश्य-श्रव्य) संचार माध्यमों का परिचय, विशेषताएँ और प्रासंगिकता।

1. इलैक्ट्रानिक संचार के सिद्धांत ।
2. संप्रेषण प्रक्रिया, कार्यप्रणाली और प्रसारण-तकनीक।
3. भारत में रेडियो नेटवर्क का परिचयात्मक ज्ञान, रेडियो का संगठन एवं नेटवर्क, कार्यक्रम निर्धारण विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम एवं उनका महत्व – राष्ट्रीय कार्यक्रम, विशेष श्रोताओं के लि कार्यक्रम, समाचार सेवाएं, परिचर्चा, भेंटवार्ता, आँखों-देखा हाल, प्रायोजित कार्यक्रम, विज्ञापन, धारावाहिक आदि।

4. भारत में टेलीविजन नेटवर्क का परिचयात्मक ज्ञान, टेलीविजन का संगठन एवं नेटवर्क, कार्यक्रम निर्धारण, विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम एवं उनका महत्व – राष्ट्रीय कार्यक्रम, विशेष दर्शकों के लिए कार्यक्रम, समाचार सेवायें, परिचर्चा, भेंटवार्ता, सीधा-प्रसारण , प्रायोजित कार्यक्रम, विज्ञापन, धारावाहिक आदि।

5. फिल्म : उद्भव और विकास, महत्व और प्रभाव, फिल्म निर्माण की प्रक्रिया, तकनीकी जटिलतायें, कैमरा एवं ध्वनि अंकन, फीचर फिल्म, वृत्त चित्र, विज्ञापन फिल्म, फिल्म संगठन एवं सैंसर, फिल्म महोत्सव, फिल्म समीक्षा।

6. इलैक्ट्रानिक एवं मुद्रित पत्रकारिता का अन्तर्संबंध, साम्य-वैषम्य (विशेष संदर्भ : भाषा)।

सहायक ग्रंथ

- हिंदी पत्रकारिता – कृष्णबिहारी मिश्र
- हिंदी पत्रकारिता का आलोचनात्मक इतिहास – रमेश कुमार जैन
- हिंदी पत्रकारिता : विविध आयाम – वेदप्रताप वैदिक
- समाचारपत्र और संपादक कला – अम्बिकादत्त वाजपेयी
- हिंदी पत्रकारिता – रमेशचन्द्र त्रिपाठी
- टेलीविजन : सिद्धांत और टेकनीक – मथुरादत्त शर्मा
- जनमाध्यम और मासकल्चर – जगदीश्वर चतुर्वेदी
- रेडियो वार्ता शिल्प – सिद्धनाथ कुमार
- दूरदर्शन की भूमिका – सुधीश पचौरी

प्रश्नपत्र 12 मीडिया लेखन 100 अंक 3 घंटे

1. लेखन के मूलभूत सिद्धांत, विविध संचार माध्यमों के लिए लेखन के प्रकार
2. दृश्य-श्रव्यात्मक संचार की पृष्ठभूमि, अवधारणा, स्वरूप व क्षेत्र
   रेडियो/टेलीविजन के जनसंचार के रूप में प्रसारण के मूल सिद्धांत
3. संचार माध्यमों के लिए सर्जनात्मक लेखन की शिल्पविधि – स्वरूप और विकास
   संचार लेखन – सिद्धांत, तकनीक और प्रकार, विशेषताएँ, विषयवस्तु
   - प्रिंट मीडिया का लेखन – समाचार, संपादकीय लेखन, फीचर, वार्ता, नाटक, कहानी, विज्ञापन, साक्षात्कार,
     खेल, बच्चों, किसानों, महिलाओं, व्यापार आदि के कार्यक्रमों के लिए लेखन
   - रेडियो के लिए लेखन – समाचार, फीचर, वार्ता, परिचर्चा, पटकथा, संवाद लेखन एवं नाटक, ध्वनिरूपक, कहानी, विज्ञापन, खेल, कमेंट्री, बच्चों, किसानों, महिलाओं, व्यवसाय आदि के कार्यक्रमों के लिए लेखन
   - टेलीविजन के लिए लेखन, लिखित स्क्रिप्ट का दृश्यीकरण, दृश्यलेख की विशिष्टताएँ, भेंटवार्ता, नाटक, धारावाहिक, टेलीफिल्म, विज्ञापन, साक्षात्कार आदि
   - सिनेमा के लिए लेखन, फीचर फिल्म की पटकथा, डॉक्यूमेंटरी की पटकथा

सहायक ग्रंथ

Maitreyi College
54-1752
Acc. No.
Delhi

- रेडियो लेखन – मधुकर गंगाधर
- भारत मीडिया -2000 – भारत सरकार प्रकाशन संस्थान
- संचार और विकास – श्यामाचरण दुबे
- जनमाध्यम और मासकल्चर – जगदीश्वर चतुर्वेदी
- Mass Communication in developing societies – Wilber Chem.
- Understanding Media – Marshal Mechalo Hom.

LIBRARY
New Delhi-21